आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा एक अभिनव पहल

संक्षेपिका

मध्यप्रदेश राज्य नीति एवं योजना आयोग

आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम

के अंतर्गत विकासखण्ड स्तर पर विकास कार्य एवं सकारात्मक परिवर्तन हेतु एक अभिनव पहल

संक्षेपिका

मध्यप्रदेश राज्य नीति एवं योजना आयोग

आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम
सार संक्षेपिका

आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम मध्यप्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण अभिनव पहल है। प्रस्तुत पुस्तिका इस कार्यक्रम से संबंधित प्रयासों का सार में लेख करती है।

आशा है कि यह संक्षेपिका जन सामान्य, शासकीय तथा अशासकीय संस्थानों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

दिनांक 17-Apr-2023

स्वतंत्र कुमार सिंह (I.A.S)
सदस्य सचिव
मध्यप्रदेश राज्य नीति एवं योजना आयोग

शासकीय उचित मूल्य की दुकान

मध्यप्रदेश में आकांक्षी विकासखण्ड कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 2018 में हुई। प्रदेश के समस्त 313 विकासखण्डों का मई, 2018 में सर्वेक्षण किया गया तथा निर्धारित मापदंडों एवं संयुक्त सूचकांक को आधार मानते हुए ऐसे 50 विकासखण्डों का चयन किया गया है जहां समावेशी विकास हेतु विशेष प्रयासों की आवश्यकता थी। चयनित 50 आकांक्षी विकासखण्डों के अपेक्षाकृत कमजोर स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा की स्थिति, रहवासियों की आर्थिक स्थिति, तथा अपर्याप्त आधारभूत संरचना को ध्यान में रखते हुए 06 क्षेत्रकों के अंतर्गत संकेतकों पर आधारित क्षेत्रक सूचकांक एवं संयुक्त सूचकांक तैयार किया गया है। आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम का मुख्य उद्देश राज्य सरकार द्वारा सामाजिक आर्थिक विकास हेतु क्रियान्वित की जा रही विभिन्न योजनाओं के माध्यम से विकास लक्ष्यों को प्राप्त करना है। कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु संस्थागत व्यवस्था के रूप में विकासखंड स्तरीय एवं जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। राज्य स्तर पर प्रत्येक विकासखंड के लिए प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। समय-समय पर 50 आकांक्षी विकासखंडों की प्रगति उच्च स्तरीय समीक्षा माननीय मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव की अध्यक्षता में की जाती है।

संबंधित क्षेत्रक

राज्य शासन द्वारा विकासखण्डों के अनुश्रवण हेतु क्षेत्रकों का निर्धारण किया गया है, जो निम्नानुसार है :

- स्वास्थ्य और पोषण
- शिक्षा
- कृषि और सहयोगी सेवाएं

- सामाजिक और वित्तीय समावेशन
- अधोसंरचना - ग्रामीण एवं शहरी
- कौशल विकास एवं रोज़गार

मुख्य विशेषताएँ

- विकासखण्डों के अनुश्रवण हेतु संकेतकों का निर्धारण 6 क्षेत्रों जैसे कृषि एवं सहयोगी सेवाएं, शिक्षा, स्वास्थ एवं पोषण, अधोसंरचना, कौशल विकास और सामाजिक एवं वित्तीय समावेशन में किया गया है।
- चिन्हित विकासखण्डों की प्रगति की निगरानी के लिए ऑनलाइन डैशबोर्ड विकसित किया गया है।
- डैशबोर्ड पर गुणवत्तापूर्ण आँकड़ों को सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न तरह के पैमाने विकसित किए गए हैं।
- संकेतकों को निर्धारित आवृत्ति के अनुसार सभी ब्लॉकों के लिए संबंधित विभागों द्वारा प्रविष्ट किया जाता है। वास्तविक लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धियां ब्लॉक स्तर पर प्रविष्ट किया जाता है।
- ऑनलाइन डैशबोर्ड के माध्यम से प्रत्येक विकासखण्ड अपनी उपलब्धियां और कमियों का विश्लेषण कर सकता है और सुधार हेतु रणनीति एवं कार्य योजना बना सकता है।

- सतत् अनुश्रवण एवं क्रियान्वयन में मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु सचिव स्तर के प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति की गयी है।
- विकासखण्ड अधिकारियों को समय-समय पर प्रशिक्षण दिया जाता है।
- जिला स्तर पर हर माह आकांक्षी विकासखण्ड कार्यक्रम की समीक्षा की जाती है।

आकांक्षी विकासखंड की सूची

जिला	विकासखण्डों की नाम	जिला	विकासखण्डों की नाम
सतना	रामपुर बघेलान, मझगवां	कटनी	ढीमरखेडा, रीठी, विजय राधोगढ़
श्योपुर	विजयपुर, श्योपुर, कराहल	रीवा	सिरमोर, हनुमना, जवा
झाबुआ	मेघनगर, थांदला, रामा, रानापुर	डिंडोरी	बजाग, मेहंदवानी, करंजिया
उमरिया	मानपुर, पाली	भिण्ड	गोहद
खरगोन	झिरन्या, भगवानपुरा	शहडोल	पाली 1 (गोह्पारु), जयसिंह नगर

जिला	विकासखण्डों की नाम	जिला	विकासखण्डों की नाम
मंडला	मवई, घुघरी, निवास, नारायणगंज, बिछिया	मुरैना	पहाड़गढ़
टीकमगढ़	जतारा, बल्देवगढ़, पलेरा, पृथ्वीपुर	अनूपपुर	पुष्पराजगढ़
पन्ना	अजयगढ़, शाहनगर	अलीराजपुर	अलीराजपुर, उदयगढ़, कट्ठीवाड़ा, सोंडवा
शिवपुरी	पिछोर, कोलारस	धार	गंधवानी, बाग, तिरला, निसरपुर, डही
रतलाम	बाजना		

विभिन्न क्षेत्रों के संकेतकों के भार का प्रतिशत

क्षेत्र	कृषि और सहयोगी सेवाएं	अधोसंरचना	शिक्षा	स्वास्थ एवं पोषण	कौशल विकास एवं रोज़गार	सामाजिक एवं वित्तीय समावेशन	कुल
क्षेत्रक भार	21%	18%	25%	28%	5%	3%	100%

प्रमुख योजनाएँ

- प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (MoHFW)
- प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना (WCD)
- जननी सुरक्षा कार्यक्रम (एनएचएम)
- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ
- नवजात शिशु संरक्षण कार्यक्रम
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम।
- मंगल दिवस योजना
- आईसीडीएस के तहत आंगनवाड़ी सेवाएं
- लाड़ली लक्ष्मी योजना
- आयुष्मान भारत योजना
- सर्व शिक्षा अभियान
- राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान
- एकीकृत बागवानी विकास मिशन
- किसान क्रेडिट कार्ड
- स्वच्छ भारत मिशन
- कौशल्या विकास योजना
- मुख्यमंत्री युवा स्वाभिमान योजना
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना
- मुख्यमंत्री मेधावी छात्र योजना
- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना
- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना
- दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल विकास योजना
- राष्ट्रीय कृषि विकास योजना
- कृषि उन्नति योजना

तुलनात्मक विवरण

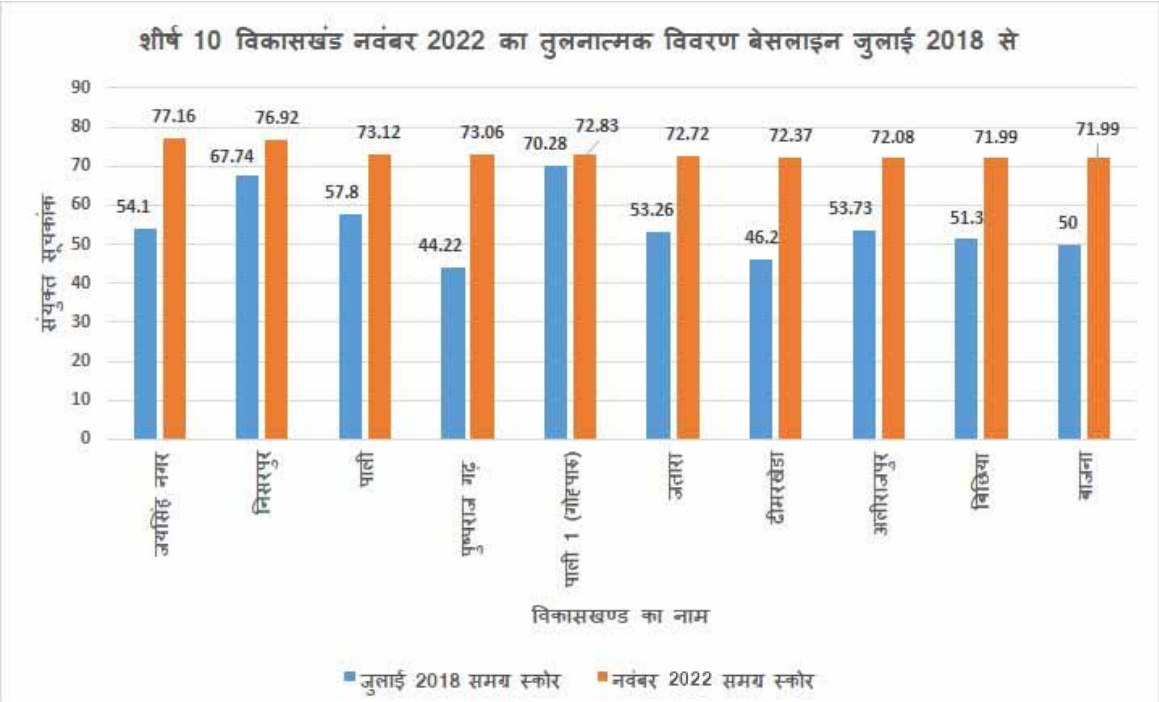

शीर्ष 10 विकासखंड नवंबर 2022 का तुलनात्मक विवरण बेसलाइन जुलाई 2018 से
संयुक्त सूचकांक
90
80
70
60
50
40
30
20
10
0
54.1
77.16
67.74
76.92
57.8
73.12
44.22
73.06
70.28
72.83
53.26
72.72
46.2
72.37
53.73
72.08
51.3
71.99
50
71.99
जयसिंह नगर
निसरपुर
पाली
पुष्पराज गढ़
पाली 1 (गोहपारू)
जतारा
डीमरखेड़ा
अलीराजपुर
बिछिया
बाजना
विकासखण्ड का नाम
जुलाई 2018 समग्र स्कोर
नवंबर 2022 समग्र स्कोर

आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम

के अंतर्गत विकासखंड स्तर पर परिवर्तन हेतु पहल

अभ्यास माध्यमिक
सिझौरा

आकांक्षी विकासखंड बिछिया, जिला मंडला

बिछिया विकासखंड में शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हुए हैं। वर्ष 2018 बिछिया विकासखंड में आरटीई मापदंड के अनुसार शिक्षक छात्र अनुपात वाले स्कूलों का प्रतिशत कम था वर्तमान में इसको 1.8 स्कोर के साथ 299 विद्यालय हैं, जिसमें 317 प्राथमिक शिक्षक कार्यरत हैं। माध्यमिक विद्यालयों का मापदंड भी इसी अनुपात में 90 है। उच्च माध्यमिक कक्षा 8 से 9 में एसटी बालक एवं बालिकाओं का शुद्ध नामांकन अनुपात 1617 एसटी छात्रों की संख्या 1617 है विकासखंड में तीन कस्तूरबा बालिका छात्रावास क्रमशः 150 सीट एवं 50, 50 सीट संचालित है एवं एक कन्या शिक्षा परिसर जहां पर बालिकाएं अध्यापन करती हैं छात्रावास में बालिकाओं के लिए बिजली पानी एवं अन्य सभी प्रकार की सुविधाएं बहुत अच्छी है जिससे छात्राएं शत प्रतिशत नामांकित है।छात्रावासों में छात्राओं को सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान की जाती हैं इसी कारण बालिकाओं के शिक्षा स्तर में पूर्व की अपेक्षा वर्तमान में अच्छा सुधार हुआ है, नामांकन एवं ठहराव वृद्धि हुई है। विकासखंड के विद्यालयों में वर्तमान में जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत पेयजल की सुविधाएं 98% पूर्ण है हैंड वॉश यूनिट बनाए गए हैं। विद्यालय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में प्रयोगशाला उपकरण स्थिति ठीक है। जीवन ज्योति योजना अंतर्गत उच्च और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में 100% बिजली की व्यवस्था है। कक्षा 6 से 8 के अधिकांश विद्यालयों में विद्युत की व्यवस्था की जा चुकी है। अच्छी सुविधाओं विद्यालयों में संसाधन की संपूर्ण व्यवस्था के कारण दर्ज संख्या में वृद्धि हुई है। सत्र 2022 में कक्षा दसवीं का परिणाम 77% एवं 12वीं का परिणाम 84% रहा है, जोकि पिछले वर्षो की तुलना में बहुत अच्छा है । शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ सभी पात्र बच्चों को दिया जा रहा है। गणवेश शत प्रतिशत बच्चों को दी जाती है एवं साइकिल सभी पात्र बच्चों को दी गई है।

आँगनवाड़ी केन्द्र
ककैया क्र. 1
विकास खण्ड-बिछिया , जिला-मण्डला म.प्र.
WELCOME
सुस्वागतम्

"एडॉप्ट ऐन आंगनवाड़ी कार्यक्रम' अन्तर्गत "स्मार्ट आंगनवाड़ी केन्द्र", जिला मंडला

प्रदेश के आदिवासी समुदाय बाहुल्य जिला मंडला में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं जिला प्रशासन के अभिसरण से "एडॉप्ट ऐन आंगनवाड़ी कार्यक्रम परियोजना के अन्तर्गत स्मार्ट आंगनवाडी केन्द्रों का संचालन एवं विभिन्न बाल मित्र गतिविधियां प्रारंभ कर दी गई हैं।

सतत् विकास लक्ष्यों का स्थानीयकरण भारत शासन के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा किया गया है। इस दिशा में जिला मंडला की पंचायतें "बालमित्र पंचायत" की थीम पर विभिन्न गतिविधियां संचालित कर रहीं हैं जिसमें सबसे प्रमुख "स्मार्ट आंगनवाड़ी केन्द्र" बनाया जाना है।

महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना मंडला में जिला कलेक्टर के संरक्षण, मार्गदर्शन व प्रोत्साहन से चिन्हत ग्राम पंचायतों में 'स्मार्ट आंगनवाड़ी केन्द्र' बनाये जा रहे हैं। जिले की चिन्हित की गई ग्राम पंचायतों में पहले से संचालित आगंनवाड़ी केन्द्रों का कायाकल्प शासन के निर्देशानुसार किया जा रहा है।

स्मार्ट आंगनवाड़ी केन्द्र एक ऐसी अभिनव संकल्पना है, जिसमें शासन एवं पंचायत पर कोई भी वित्तीय भार नहीं आता है अर्थात यह "शून्य लागत" गतिविधि जो जनसहभागिता से स्वसंचालित होती है। इसके अन्तर्गत आंगनवाड़ी केन्द्रों को गोद लिया जाता है। जो व्यक्ति आंगनवाड़ी केन्द्र को गोद लेते हैं उनके विशेष सहयोग व सहभागिता आगंनवाड़ी केन्द्र में आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराये जाते हैं ।

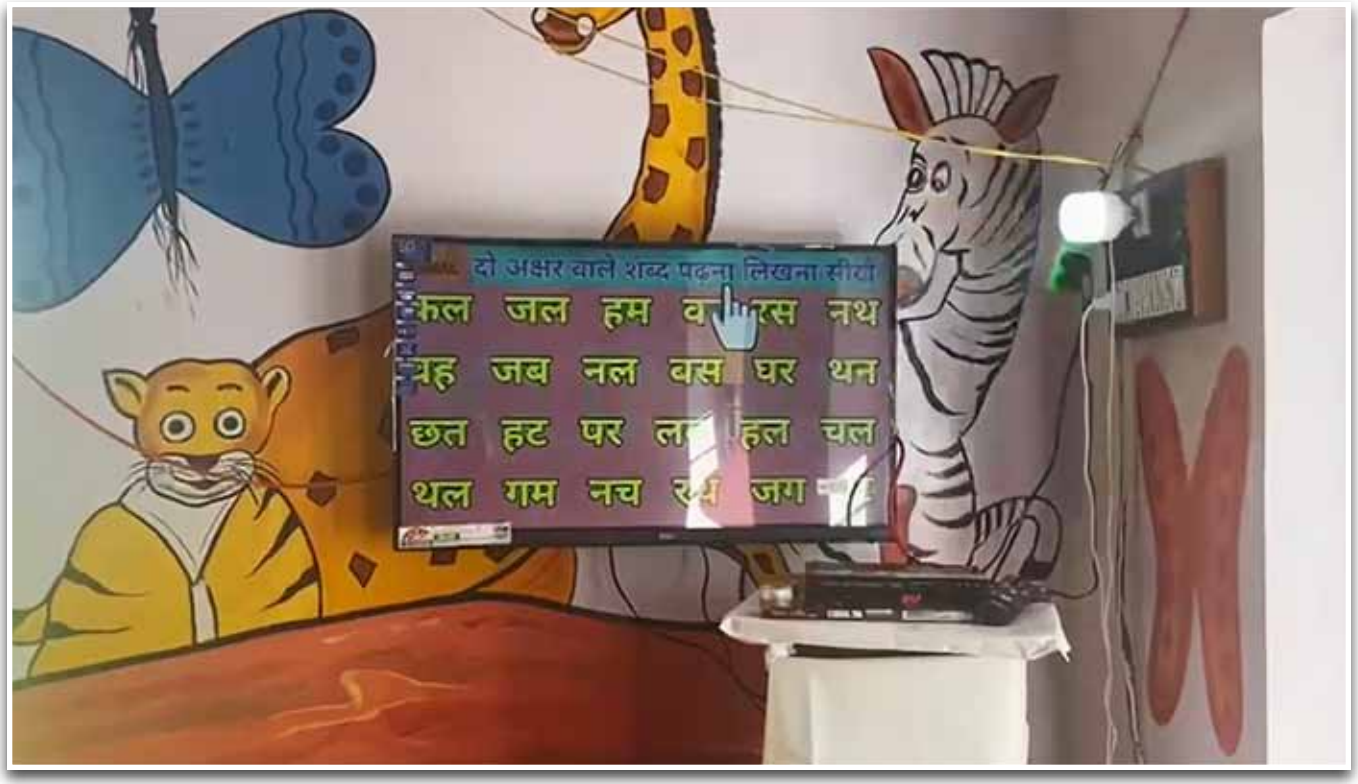

दो अक्षर वाले शब्द पढ़ना लिखना
फल जल हम रस नथ
जब नल बस घर थन
छत हट पर हल चल
थल गम नच जग

एडॉप्ट आंगनवाड़ी केन्द्र ग्राम कोंड्रा (बैगा टोला)

मंडला जिला में बिनेका ग्राम पंचायत अंतर्गत विशेष आदिमजाति बैगा बहुल ग्राम कोंड्रा को स्मार्ट आंगनवाडी केंद्र बनाया गया है। एडॉप्ट ऐन आंगनवाड़ी कार्यक्रम के तहत जिला कलेक्टर हर्षिका सिंह ने कोंड्रा आंगनवाड़ी केंद्र को गोद लिया है। यह आंगनवाड़ी स्मार्ट मॉडल आंगनवाड़ी केंद्र के रूप में विकसित की गई है।

आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों के लिए मनोरंजन खिलौने, चित्रकला तथा टेबलेट जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं जिनके माध्यम से बच्चे खेल-खेल में मनोरंजन पूर्ण एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

एडॉप्ट आंगनवाड़ी केन्द्र कटंगी

महिला एवं बाल विकास परियोजना बीजाडांडी के पर्यवेक्षक सेक्टर पौडी नगरार के अन्तर्गत आगंनवाड़ी केन्द्र कटंगी को श्री चंद्रकांत बडगैया द्वारा बच्चों के बैठने के लिये कुर्सियाँ प्रदान की गई। जनसहयोग से बच्चों के लिये कार्यकर्त्ता द्वारा खिलौने एकत्रित किये गये हैं, जिनका बच्चों द्वारा उपयोग किया जा रहा है।

जनसहयोग से पोषण मटका हेतु सामग्री एकत्रित की गई, जिसका उपयोग बालभोज में किया जा रहा है। महिलाओं का सहयोग लेकर खाली बैग से बच्चों के लिये खिलौने तैयार किये जा रहे हैं। समुदाय द्वारा समय-समय पर स्थानीय फल जैसे पपीता, अमरूद आदि का माह में एक या दो बार बच्चों के लिये वितरण किया जाता है। यह केन्द्र श्रीमती शारदा ठाकुर द्वारा अडॉप्ट किया गया है।

मोर
कुत्ता
बिल्ली
अनार
आम

विकासखंड सोंडवा, उदयगढ़, अलीराजपुर, कट्ठीवाड़ा, जिला अलीराजपुर

जिला अलीराजपुर के अंतर्गत 4 विकासखंड (सोंडवा, उदयगढ़, अलीराजपुर, कट्ठीवाड़ा) को आकांक्षी विकासखंड के रूप में चिह्नित किया गया है। इन विकासखंड में स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में सुधार लाने के प्रयास किये जा रहे हैं। इस क्षेत्र में आईसीडीएस के कुल 8 संकेतक हैं। इनमें विशेष रूप से बाल विकास पर ध्यान केंद्रित करने वाले संकेतक में 05 साल से कम आयु के अल्प-भार वाले बच्चे, 05 साल से कम आयु के वृद्धि-अवरूद्ध (स्टनटेड) बच्चे शामिल हैं। इन संकेतक में सुधार के लिए विभाग द्वारा राज्य पोषण नीति 2020-30 में प्रस्तावित एवं राज्य पोषण रणनीति 2020-21 एवं 22 के अनुसार सितंबर 2020 में पुनरिक्षित रूप में मध्यम एवं अति गंभीर कुपोषित बच्चों के समेकित पोषण प्रबंधन कार्यक्रम (Integrated Management of Malnourished Children I- MAM) लागू किया गया है। कुपोषित बच्चों का निम्न मुख्य चरणों में उपचार एवं पोषण प्रबंधन किया जाता है: मध्यम गंभीर (MAM) एवं अति गंभीर (SAM) कुपोषित बच्चों की पहचान, अति गंभीर कुपोषित बच्चों की भूख की जॉच, अति गंभीर कुपोषित बच्चों में चिकित्सकीय जटिलता का आंकलन, अति गंभीर कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र रेफेर करने या I-MAM अंतर्गत C-SAM कार्यक्रम में प्रबंधन करने का निर्णय एवं सभी MAM बच्चों को नियमित फॉलोअप हेतु I-MAM में दर्ज करना, I-MAM अंतर्गत C-SAM कार्यक्रम में चिकित्सकीय प्रबंधन, कार्यक्रम में पोषकीय प्रबंधन, कार्यक्रम में पोषण,स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर परामर्श, कार्यक्रम में SAM एवं MAM बच्चों का फॉलोअप, कार्यक्रम से डिस्चार्ज, कार्यक्रम से डिस्चार्ज उपरांत SAM बच्चों का मासिक फॉलोअप। उपरोक्त चरणों के आधार पर जिले में I-MAM अंतर्गत उपरोक्त C-SAM कार्यक्रम हेतु अति गंभीर कुपोषित बच्चों के उपचार एवं पोषण प्रबंधन हेतु कार्य किया जा रहा है।

आंकाक्षी विकासखण्ड जयसिंह नगर और पाली, जिला शहडोल

शाहडोल जिले के दो आकांक्षी विकासखण्ड जयसिंहनगर एवं पाली न० 1 (गोहपारु) में कौशल विकास एवं रोजगार के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। गोहपारु विकास खण्ड स्तर पर कोई कंप्यूटर कालेज न होने के कारण से विकास खण्ड के छात्र कंप्यूटर शिक्षा से वंचित थे। वर्ष 2021 से शासकीय आईटीआई गोहपारू में कोपा व्यवसाय संचालित किया जिसमें छात्रों का प्रवेश शत प्रतिशत रहा। आईटीआई को मेन रोड से जोड़ने के प्रयास मैं पहुँच मार्ग निर्माण को माननीय प्रभारी मंत्री जी के द्वारा घोषित किया गया एवं निर्माण कार्य योजना मैं सम्मिलित किया गया।

जयसिंहनगर विकासखंड में विगत पांच वर्षों में अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रशिक्षण योजनाओं के तहत प्रमाणित युवाओं (आयु समूह 15-29 वर्ष) की संख्या लगभग 550 है जो कि शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था जयसिंहनगर में प्रवेशित कुल प्रशिक्षणार्थियों का लगभग 77 प्रतिशत है। संभाग में कौशल विकास एवं रोजगार विभाग द्वारा समय समय पर रोजगार मेलों एवं अप्रेंटिंसशिप मेलों के आयोजन से विकासखंड के कई युवाओं को रोजगार प्रदान किया गया है ,जिसकी वजह से प्रमाणित युवाओं मे से नियोजित युवाओं की वृद्धि हुई है और भविष्य में अनुमान है कि आकांक्षी विकासखण्ड कार्यकम के अंतर्गत विकासखंड में रोजगार प्राप्त एवं नियोजित युवाओं की संख्या में वृद्धि होगी।

म.प्र. डे राज्य
मीण आजीविका मिशन

आंकाक्षी विकासखण्ड बाजना, जिला रतलाम

रतलाम जिले के आकांक्षी विकासखण्ड बाजना में कौशल विकास और रोजगार क्षेत्र अंतर्गत सकारात्मक परिवर्तन देखा जा रहा है। 2018 योजना के आरम्भ में ITI बाजना में मात्र 1 व्यवसाय ईलेक्ट्रीशियन SCVT संचालित थी। वर्तमान में दो अन्य ट्रेंड फिल्टर एवं कम्प्यूटर भी संचालित है, जिसमे कुल प्रवेशित छात्र 79 एवं प्रशिक्षित प्रशिक्षणार्थी 65 है। इनमे से 38 प्रशिक्षणार्थी रोजगार में सलग्न है। संस्था की उल्लेखनीय प्राप्ति मे से एक संस्था के प्रशिक्षणार्थी श्री भरतवास बैरागी हैं जिनका चयन जे.पी. सीमेंट कम्पनी में हुआ है, एवं वे प्रतिमाह रू. 40000 प्राप्त कर रहे हैं।

ऐसे ही सामाजिक और वित्तीय समावेश क्षेत्र अंतर्गत सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देता है। वर्ष 2018 में आंकाक्षी विकासखण्ड योजना के आरम्भ मे बाजना विकासखण्ड में मात्र 10 गाँवों में 895 परिवारों को स्वयं सहायता समूह से जोड़ा गया था | वर्ष 2023 में बाजना विकासखण्ड के समस्त 220 गाँवों में स्वयं सहायता समूह गठित किये जा चुके है, एवं 18352 परिवारों को स्वयं सहायता समूह से जोड़ा जा चुका है। बाजना अंचल में स्वयं सहायता समूह की महिलाओ द्वारा अपने कौशल एव उर्जा का भरपुर उपयोग किया है एवं स्वयं तथा अपने परिवार की स्थिति सुदृढ़ की है।

गढीगमना गाँव के महादेव आजीविका समूह द्वारा मछली पालन से पिछले वर्ष 1 लाख 20 हजार का लाभ प्राप्त किया वही जय सांवरिया सेठ SHG की सदस्य श्रीमति पुनम झोडिया द्वारा कियोस्क सेन्टर स्थापित कर महिला सशक्तिकरण की नवीन परिभाषा गढ़ी है। पुनम जी की मासिक आय अब 13000 रू प्रतिमाह है। देथला पंचायत के सरस्वती SHG द्वारा C.C.L से प्राप्त राशि से टेंट हाउस की शुरूआत की गई। गंगा SHG की सदस्य श्रीमति सविता ने C.C.L से प्राप्त राशि का प्रयोग कर ऑटाचक्की और किराना दुकान शुरू की है। सविता की मासिक आय 12000 रू. से 15000 रू. हो गई है।

मुर्गी पालन के शेड मे काम करती हुई ललिता दीदी

ललिता दीदी की कहानी, दीदी की ज़ुबानी

हेवडादामा कला पंचायत के गाँव हेवडादामा खुर्द के अम्बे माता आजीविका स्वयं सहायता समूह की सदस्य ललिता बाई परिवर्तन की कहानी स्वयं बताती है: समूह से जुडने से पहले मेरी आर्थिकि स्थिति बहुत ही दयनीय एवं खराब थी ,रोजगार के कोई साधन उपलब्ध नही थे, कृषि सिंचित न होने एवं गाँव में मजदूरी न मिलने के कारण अपनी जीविका चलाने के लिए हम सभी महिलाए अन्य स्थान पर मजदुरी की तलाश मे घर से बाहर पलायन करते थे। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन विभाग जनपद पंचायत बाजना के माध्यम से हमे समूह के बारे मे जानकारी प्राप्त हुई, हमने गाँव की 12 महिलाओ का दिनांक 05.06.2019 को एक समूह का गठन किया। एनआरएलएम जनपद पंचायत बाजना के माध्यम से दिनांक 26.12.2020 को मुर्गी पालन से संबंधित जानकारी देने के लिए, एक्सपोजर भ्रमण पे सैलाना ब्लॉक के ग्राम चावडा खेडी ले जाया गया, जहाँ हमने मुर्गी पालन से संबंधित जानकारी प्राप्त की। उसके पश्चात मैंने अपने गाँव मे खुद की जमीन पर मनरेगा योजना के तहत मुर्गीशेड की मांग की, एवं मांग मंजुर होने के बाद मुझे मुर्गी शेड बनाने के लिए 51000 हजार रू. की राशि किश्त के रूप मे प्राप्त हुई। व्यवसायिक रूप से बडे स्तर पर शेड बनाने का सोचा, इसके लिए मुझे पुंजी की आवश्यकता थी, जिसके लिए हमारे समूह द्वारा ग्राम संगठन से सामुदायिक निवेश राशि की मांग की गई, जिससे समूह एवं बचत राशि से 54000 रू. की राशि ऋण के रूप मे लेकर मुर्गी पालन का व्यसाय बडे स्तर पर करने का निर्णय लिया। इस प्रकार मेरे द्वारा मुर्गी पालन का शेड 120 लम्बाई एवं 40 चोडाई का तैयार कर 4000 मुर्गी के चुजे डालकर बडे स्तर पर व्यसाय प्रारम्भ किया गया। वर्तमान में मेरी आय मुर्गी पालन से प्रतिमाह 30000 -35000 रू हो गई है। ललिता दीदी प्रशासन को धन्यवाद देती हैं।

जनपद शिक्षा केन्द्र

विकासखण्ड बजाग, मेंहदवानी एवं करंजिया, जिला डिंडौरी

शिक्षा

आकांक्षी विकासखण्ड अंर्तगत जिला डिंडौरी के निम्न विकासखण्ड-बजाग,करंजिया एवं मेंहदवानी सम्मलित किये गये है। आकांक्षी विकासखण्डो के संकेतकों द्वारा विभिन्न मापदड़ो से शिक्षा के स्तर को बहतर बनाने हेतु नियमित रूप से समीक्षा कर एंव भौतिक स्थिति को सुधारने के प्रयास किये जा रहे है। आकांक्षी विकासखण्ड के संकेतांक जैसे आरटीआई मानदंडो के अनुसार शिक्षक छात्र अनुपात वाले स्कूलो के प्रतिशत में वृद्वि हेतु जिले स्तर पर अतिथि शिक्षको की भर्ती कर शिक्षक छात्र अनुपात में वृद्वि करने का प्रयास किया गया है।

कार्यरत पेयजल सुविधा वाले स्कूलों की संख्या में वृद्धि करने हेतु इन स्कूलो मे हैन्डपम्प उत्खन्न, जल जीवन मिशन एवं स्टैंड अलोन योजना अंर्तगत लक्ष्य प्राप्त करने हेतु विशेष प्रयास किये जा रहे है। शासकीय विद्यालयों में नमांकन अनुपाल बढाने हेतु शिक्षकों द्वारा ग्रामवार सर्वे कराया जा कर एवं पालकों की बैठक का आयोजन कर उन्हें प्रेरित कर बच्चो को स्कूल भेजने और पढाई निरंतर रखने के प्रयास किये जा रहे है।

स्वास्थ्य एवं पोषण

आकांक्षी विकास का संकेतिक में गर्भवती महिलाओं के संस्थागत प्रसव में प्रगति हेतु किये जा रहे प्रयासः संस्थागत प्रसव को बढावा देने के लिए सबसे पहले सीएचसी/पीएचसी के अलावा 4 नये उपस्वास्थ्य केन्द्रों में प्रसव केन्द्र खोला गया जहाँ अत्यधिक गृह प्रसव होते थे एवं संस्था में प्रसव कराने हेतू लाने वाले मोटीवेटर जैसे आषा कार्यकर्ताओं का ईनसेटिंग में पहले से

दो गुना कर दिया गया। एवं नागरिकों को संस्थागत प्रसव कराने हेतु जगह जगह जागरूकता अधियान कैम्पों के माध्यम से किया गया जिससे संस्थागत प्रसव में पहले की अपेक्षा सुधार हुआ है। मैं प्रयास करूंगी इसी प्रकार और ज्यादा से ज्यादा संस्थागत प्रसव हो सके।

आकांक्षी विकास में टीबी के संकेतिक ममलों में एवं उपचार में बृद्धि हेतु किये जा रहे प्रयासः टीबी के मामले पूर्व में काफी कम थे जिसमें वृद्धि लाने हेतु विकासखण्ड के समस्त ग्राम में सर्वे का कार्य किया गया एवं सूक्ष्म कार्ययोजना बनाकर 5 -5 गावों में विशेष स्वास्थ्य दस्ता टीम के साथ घर-घर सर्वे कराकर जाँच एवं उपचार कराने हेतु संभावित मरीजों की सूची बनाकर सेम्पल कलेक्ट किया गया एवं मोबाईल टीम द्वारा सीएचसी लैब में कराने हेतु मोबाईल टीम बनाकर जाँच कराया गया एवं सकारात्मक मरीजों को जाँच के उपरांत तत्काल उपचारित करने हेतु दवाइयाँ उपलब्ध करायी गयी जिससे लोग में जागरूकता उत्पन्न हुई और इस प्रकार टीबी के समारात्मक मामले में वृद्धि हो पायी।

कृषि एवं सहयोगी सेवाएं

आकांक्षी विकासखंड का संकैतिक सूक्ष्म सिंचाई उपकरण में प्रगति हेतु किये गये प्रयासः प्रधानमंत्री सिंचाई योजना अन्तर्गत (हर खेत को पानी), प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पनधारा) और मनरेगा के तहत सहायता नहीं दी जाती, को ट्यूबवेल और डबवेल (ऐसे क्षेत्रों में जहां भूजल उपलब्ध है और विकास की महत्वपूर्ण अति दोहन के तहत नहीं है) सहित पूरक स्त्रोत निर्माण गतिविधियों के लिये सूक्ष्म सिंचाई संरचना का निर्माण। अत्यधिक उपलब्धता के समय नहर प्रणाली के अंतिम मुहारे पर द्वितीयक भंडारण संरचना अथवा प्रभावी ऑन फार्म जल प्रबंधन के माध्यम से शुल्क अवधि के दौरान बारहमासी स्त्रोतों जैसे माध्यमों से जल भंडारण। पानी ले जाने वाले पाईपों, भूमिगत पाईप प्रणाली सहित पानी खींचने वाले उपकरणों जैसे डीजल/इलेक्ट्रिक/सौर पम्प

ग्राम एवं वार्ड के जन संख्या

सेट। वर्षा और न्यूनतम सिंचाई आवश्यकता सहित उपलब्ध जल के अधिकतम उपयोग के लिये फसल संयोजन सहित वैज्ञानिक संरक्षण और कृषि विज्ञान उपायों के प्रोत्साहन के लिये विस्तार गतिविधियां पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

आकांक्षी विकास का संकैतिक किसानो को दिया गया कृषि प्रशिक्षण प्रयास: किसान प्राकृतिक खेती से कम लागत के साथ जैविक पैदावार बढ़ा सकते हैं और अपनी आय में भी वृद्धि कर सकते है। प्राकृतिक खेती का उदेश्य रसायन मुक्त कृषि, प्रकृति के अनुरूप जलवायु खेती को बढावा देना और पर्यावरण एवं जलवायु प्रदूषण में कमी लाते हुए इस पद्धति को स्थाई आजीविका के रूप में स्थापित करना है। इसके लिये किसानों को प्रशिक्षण एवं गाय पालन के लिये अनुदान दिया जा रहा है। इस कडी में अधिक से अधिक किसानों को इस ओर प्रोत्साहित करने के लिये प्रयास कर रही है।

कृषि और सहयोगी सेवाये अंतर्गत पशुपालन एवं डेयरी टीकाकरण: पशुपालन विभाग की टीम द्वारा समय समय पर पशुओ का टीकारण किया जा रहा है। गौ-सेवको को प्रशिक्षण देकर उनके माध्यम से विकास खण्ड के प्रत्येक गांव मे टीकाकरण किया जा रहा है। राष्ट्रव्यापी खुरपका मुंहपका टीकारण कार्यक्रम मैत्री गौ-सेवको को मानदेय दिया जा रहा है, जिसमे वो उत्साह से क्षेत्र में टीकाकरण कर रहे है। क्षेत्र मे H S B Q FMD बुसेल्ला एवं अन्य बिमारियो के केश मे गिरावट देखने को मिल रही है।

आकांक्षी विकास के संकेतक कृमि गर्भाधान मे वृद्धि हेतु किये गये प्रयास: क्षेत्र मे बैनर पम्प्लेट दीवार लेखन के माध्यम से कृत्रिम गर्भाधान का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। राष्ट्रव्यापी कृतिम गर्भाधान कार्यक्रम मे मैत्री गौसेवको को जोड़ा गया है। एवं उन्हे शासन से मानदेय प्राप्त हो रहा है। क्षेत्र मे कृतिम गर्भाधानो के प्रयासों से उन्नत नस्ल के बछड़े/बछड़ियों का जन्म हो रहा है, जो पशुपालन की आर्थिक स्थिति सुधारने मे मददगार साबित हो रहे हैं।

नवाचार के रूप मे आकांक्षी विकासखण्ड कोलारस, ज़िला शिवपुरी मे मधुमक्खी पालन से हो रही है आय में वृद्धि

लाभन्वित ग्राम	मोहराई , पनवारी , रिजोदा
लाभान्वित समूह सदस्य संख्या	अनुसूचित जाति -300
यूनिट राशि	30 लाख (अनुदान राशि)
यूनिट उपकरण	HONEY BEE BOX 600, SMOKER 30, BEE BRUSH LARGE 30 ,BEE FEEDER 300, BOX STAND 300, FOOD GRADE CONTAINER 600, BEE CAP 50, BEE HIVE TOOLS 30

विकासखण्ड कोलारस के अन्तर्गत राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित स्व सहायता समूह द्वारा ग्राम-मोहराई, पनवारी, रिजोदा में अनुसूचित जाति के समूह सदस्यों द्वारा मधुमक्खी पालन का कार्य किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 03 ग्राम के लगभग 300 हितग्राही 600 मधुमक्खी पेटियों द्वारा लाभान्वित हो रही हैं।

कृषि गुणवत्ता मे वृद्धि - कृषि एवं वागवानी उत्पादन बढाने की क्षमता भी रखता है। आस पास के ग्रामों में कीट परागण द्वारा फसल उपज में लगभग एक चौथाई अतिरिक्त वृद्धि हुई एवं फलों और बीजों की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। मधुमक्खी पालन से जुडी हुई लघु एवं भूमिहीन किसान महिलाओं के लिये आमदनी का एक साधन बन गया है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई है।

मधुमक्खी पालन ने कम लागत वाला कुटीर उदयोग का दर्जा ले लिया है। ग्रामीण लघु किसान एवं भूमिहीन किसानों के लिये आमदनी का एक साधन बन गया है। फूलों से रस निकालकर मधुमक्खी अपने छत्ते में शहद बनाती है। ठीक उसी तरह मधुमक्खियों को पालकर शहद का उत्पादन किया जाता है। शहद की बढती मांग के कारण इसका उत्पादन करने के लिये मधुमक्खी पालन शुरू किया गया है।

मधुमक्खियां फसलों की उपज बढाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यहाँ यह जानना आवश्यक है कि लीची, नीबू, संतरा, अमरूद प्रजातीय फलों और अन्य दलहनी एवं तिलहनी फसलों में मधुमक्खियों द्वारा परागण अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया इसके अलावा यह न सिर्फ शहद का उत्पादन करती हैं बल्कि बडी मात्रा में मोम और गोंद का भी उत्पादन हो रहा है। मधुमक्खी पालन से लघु एवं भूमिहीन किसानों की आय में अच्छी वृद्धि हुई है। उन्हें अतिरिक्त आय का अन्य स्त्रोत मिल गया है।

सकारात्मक कार्य- विकासखण्ड कोलारस के अन्तर्गत राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित स्व सहायता समूह द्वारा ग्राम-मोहराई, पनवारी, रिजोदा में अनुसूचित जाति के सदस्यों की आय मे वृद्धि हेतु नवाचार के रूप मे मधुमक्खी पालन से इस वर्ष 14 क्विंटल शहद का उत्पादन किया गया एवं आगामी वर्ष मे यह लगभग 60 क्विंटल प्रतिबर्ष किया जाएगा जो कि 250 रूपये प्रतिकिलो के भाव से बेचा जाएगा। जिससे वार्षिक आय 1500000 लाख रूपये शहद से ओर लगभग 300000 रूपये मोम से आय प्राप्त होगी। इससे प्रति समूह सदस्य बिना किसी लागत के 60000 रूपये अपनी आय मे वृद्धि करेगी एवं मधुमक्खी पालन से फसलों के उत्पादन मे भी वृद्धि होगी।

शासकीय माध्यमिक विद्यालय सातउमरी
संकुल केन्द्र साली - विकास खण्ड गंधवानी

विकासखण्ड गंधवानी, जिला धार

लाइब्रेरी सुविधा वाले उच्च एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय

गंधवानी विकासखण्ड अन्तर्गत हाईस्कूल एवं हायर सेकण्ड्री विद्यालयों (कक्षा 09 से 12) में पिछलें वित्तीय वर्ष 2021-22 की तुलना में लाईब्रेरी के क्रियान्वयन एवं संसाधनों में विकास हुआ है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2022-23 में लगभग 100 प्रतिशत विद्यालयों में लाईब्रेरी अन्तर्गत किताबों और पुस्तकालय की बुनियादी आवश्यकता के अनुसार पुस्तकों में वृद्धि हुई है। इसमें शासन के द्वारा पुस्तकालय हेतु पुस्तकें प्रदान की गई है।

पुस्तकालय के माध्यम से कक्षा 09 से 12 में अध्ययनरत बालक/बालिका को ज्ञान एवं शब्द कोष में वृद्धि हेतु पुस्तकालय की पुस्तकों से सहायता मिल रही है। पुस्तकालय के उपयोग से बच्चों को सभी प्रकार का ज्ञान प्राप्त होता है। वर्तमान सत्र में पुस्तकालय के माध्यम से बच्चों के ज्ञान में वृद्धि हो रही है एवं पुस्तकालयों का संचालन विद्यालय प्रबंधन द्वारा सुव्यवस्थित किया जा रहा है।

गुणवत्तापरक शिक्षा

कक्षा 01 से 02 के बच्चों के अधिगम प्रतिफलों को प्राप्त करने के लिए राज्य में मिशन अंकुर के नाम से कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम बच्चों को भाषा एवं साक्षरता का व्यापक अनुभव देता है। कार्यक्रम के तहत शिक्षक सदंर्भिका अभ्यास पुस्तिका एवं अन्य सहायक सामग्री को विकसित किया गया है जो बच्चों की मूलभूत भाषा एवं साक्षरता के लक्ष्यों को प्राप्त करने में उपयोगी है।

राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम

विकासखंड हनुमना, जिला रीवा

कृत्रिम गर्भाधान

सत्र 2018 के पूर्व विकासखंड हनुमना अंतर्गत निवासरत किसानों/पशुपालकों के पास उन्नत नस्ल के दुधारू पशुओं की संख्या पर्याप्त नही थी, कृत्रिम गर्भाधान की संख्या भी 1000 से 1500 थी। अवर्णित नसलों का पैदावर अपेक्षाकृत कम होने से दुग्ध व्यवसाय भी ठीक से नहीं चल पा रहा था, जिन पशुपालकों के पास दुग्ध पैदावार होती भी थी तो उनके द्वारा कम दाम पर छोटे बाजारों में दूध विक्रय किया जाता था उसका कारण यह था कि दुग्ध संग्रहण केन्द्र भी नियमित संचालित नही थे। विकासखंड हनुमना आकांक्षी विकासखंड में सम्मिलित होने के पश्चात् पशुपालन विभाग द्वारा कई योजनाओं जिनमें से मुख्यरूप से कृत्रिम गर्भाधान के जरिये नस्ल सुधार का कार्य व्यापक पर किया गया। नस्ल सुधार में मुख्य रूप से जर्सी, साहीवाल, गिरि, एचएफ का प्रयोग गौवंश में एवं मुर्रा सीमेन का प्रयोग भैंसवंश में किया गया, जिससे प्रति पशु उत्पादन में वृद्वि हुई। गत 5 वर्षों में विकासखंड अंतर्गत कुल 13000 के लगभग पशुओं के कृत्रिम गर्भाधान विभाग द्वारा किया गया। उपरोक्त में पशु पालन विभाग के माध्यम से किये गये कृत्रिम गर्भाधान से अच्छी नस्लों के उत्पादन में वृद्धि हुई। उन्नत किस्म के गायों एवं भैसों से दुग्ध उत्पादन भरपूर मात्रा में होने लगी। 2018 से पूर्व जहां हनुमना विकासखंड में दुग्ध विक्रयन औसतन 500 ली. प्रतिदिवस हो पाता था, किन्तु 5 वर्ष बाद प्रतिदिवस 5000 ली. लगभग का विक्रयन दुग्ध संकलन केन्द्रों के माध्यम से हो रहा है। विकासखंड हनुमना अंतर्गत ग्राम पंचायत गौरी, कैलाशपुर, देवरा, बावनगड, पांती मिश्रान, लासा, खूँटा, तिलया, मलैगवां, ढावा गौतमान, बिलौहीकला, भलुहा कोठार, करकचहा, कोठार, अतरैला आदि ग्रामों से घर-घर जाकर दुग्ध संगहण किसानों एवं पशु पालकों से किया जा रहा है। पशुपालकों को दुग्ध विक्रय हेतु बाजार में जाना नही पड रहा है एवं दुग्ध का उचित मूल्य वर्तमान में नियमित रूप से मिल पा रहा है।

दुग्ध संग्रहण-

उपरोक्त में पशुपालन विभाग द्वारा पशु केसीसी के माध्यम से 200 से अधिक किसानों/ पशुपालकों को 1 करोड रू. से भी अधिक राशि बैंकों के माध्यम से दी जा चुकी है। जिससे उन्हें आर्थिक मदद मिल रही है। किसानों/ पशुपालकों के दैनिक जीवन में काफी बेहद आर्थिक सुधार परिलक्षित हुआ है।

• दुग्ध संग्रहण केन्द्र गौरी • दुग्ध संगहण वैन

मृदा स्वास्थ्य कार्ड

ग्रिड आधारित मिट्टी नमूना लिये जाकर मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण विकासखंड हनुमना अंतर्गत सत् प्रतिशत कृषकों को किये गये। विकासखंड हनुमना आकांक्षी विकासखंड में सम्मिलित होने के पूर्व किसानों को मृदा परीक्षण एवं उनकी कृषि भूमियों में किन तत्वों की कमियां हैं, इसकी जानकारी नहीं थी। किसानों द्वारा संतुलित मात्रा में उर्वरकों एवं तत्वों का उपयोग नही किया जाता था जिससे जिससे फसलों का उत्पादन मानक स्तर का नही होता था। 2018 के पूर्व समस्त फसलों का औसत उत्पादन (खरीफ एवं रबी) 146232 टन था। सत्र् 2018 यानी आकांक्षी विकासखंड में सम्मिलित होने के पश्चात् किसानों की कृषि भूमियों का सत् प्रतिशत मिट्टी का सेम्पल लिया जाकर जांच कराई गई जिसमें पाया गया कि मृदा में जिंक की विशेष कमी है। विकासखंड अंतर्गत सभी 41360 किसानों के भूमियों का मृदा परीक्षण कराकर मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्रदाय किया जा चुका है। किसानों द्वारा अनुशंसा के आधार पर संतुलित उर्वरकों का उपयोग करने के बाद वर्ष 2023 में समस्त फसलों का औसत उत्पादन (खरीफ एवं रबी) कुल 160225 टन हो चुका है। कृषि भूमियों में कैसे उर्वरकों का उपयोग किया जाना है इसके लिये किसानों की चौपाल लगाकर अवगत कराया गया।

UTM: 44R
598522mE 2741496mN
Elevation: 340.58±10.06 m
Accuracy: 43.36 m
Time: 21-02-2023 14:49:42
Note: Farm pond Gopal sharan singh
NoteCam @ iOS

सिंचित क्षेत्र प्रतिशत में वृद्धि

2018 में समस्त स्त्रोतों से हनुमना विकासखंड के सिंचाई का कुल रकबा 18113 हे. था। सिंचाई स्त्रोतों की कमी के कारण सिंचित फसलों का उत्पादन किसानों द्वारा बहुत कम किया जाता था। 2018 में सिंचित क्षेत्रों में समस्त फसलों का औसत उत्पादन (खरीफ एवं रबी) 146232 था। विभिन्न योजनाओं से पात्र किसानों को लघु सिंचाई हेतु खेत तालाब, ट्यूब बेल या छोटे बांध आदि की सुविधाओं के कारण आकांक्षी में सम्मिलित होने के बाद सिंचाई क्षेत्र के रकवा में 21612 हे. हुआ। 2018 से अब तक की समस्त स्त्रोतों से सिंचाई क्षेत्रों में कुल 3499 हे. की वृद्धि हुई है, जो कि 19.37 प्रतिशत है। सिंचाई क्षेत्रों में वृद्धि के कारण किसानों द्वारा उत्पादित फसलों में 2018 के मुकाबले 2023 में समस्त फसलों में 23993 टन की वृद्धि हुई है। पूर्व में कम उत्पादन होने के कारण किसानों द्वारा उत्पादित फसलों को स्थानीय स्तर पर समर्थन मूल्य से कम दाम पर मजबूरन विक्रय किया जाता था, फसलों का कम मूल्य प्राप्त होने पर किसानों की स्थिति दयनीय थी, किन्तु वर्तमान में सिंचाई क्षेत्रों के रकबे में वृद्धि होने एवं शासकीय उपार्जन केन्द्रों में शासन स्तर से निर्धारित समर्थन मूल्य पर फसलों के विक्रय होने के कारण किसानों की अच्छी आय होने लगी, आय में वृद्धि भी हुई तथा किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव परिलक्षित हुये।

स्व सहायता समूह की आर्थिक गतिविधि : सिलाई सेंटर सिलाई समूह सेंटर से जुड़े समूह संख्या - 28, संलग्न महिलाएं - 140

स्व सहायता समूह द्वारा संचालित पीडीएस दुकानें

माननीय उपाध्यक्ष, मध्यप्रदेश राज्य नीति एवं योजना आयोग, द्वारा स्व सहायता समूह की महिलाओं से संवाद, अनूपपुर

सदस्य सचिव, मध्यप्रदेश राज्य नीति एवं योजना आयोग, द्वारा आकांक्षी विकासखण्ड समीक्षा बैठक

मध्यप्रदेश राज्य नीति एवं योजना आयोग

राजीव गांधी परिसर, 35, श्यामला हिल्स, भोपाल 462002

E-mail: spb@nic.in **Website:** www.mpplanningcommission.gov.in, **Twitter:** @mpniti